मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

माह : सितम्बर 2025

संकलन - मिशन शिक्षण संवाद बाल साहित्य सृजन टीम

बाल साहित्य सृजन

1

प्रेमचन्द

उपन्यास और कथाकार,
कहानियों में वर्णन सत्याभाष।
गरीबी, शोषण, भ्रष्टाचार,
विषयों पर लिखे उपन्यास।।

हिन्दी गद्य में विशेष नाम है,
गबन, गोदान, दो बैलों की कथा।
निर्मला, ईदगाह खास व प्रसिद्ध,
प्रेमचन्द के उपन्यासों की व्यथा।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

2

जयशंकर प्रसाद

छायावादी युग के लेखक,
जयशंकर प्रसाद कहलाते हैं।
कामायनी उनकी है रचना,
तीस जनवरी जन्म-दिन मनाते हैं।।

काशी में पायी शिक्षा-दीक्षा,
साहित्य में गहरी रुचि रखते थे।
छायावादी स्तम्भ के रूप में,
आपको भी स्थान दिया करते हैं।।

रचना-
शालिनी (स०अ०)
प्रा० वि० कूँड़
करहल, मैनपुरी

3

महादेवी वर्मा

गद्य व पद्य दोनो में,
था समान अधिकार।
महादेवी वर्मा ने किया,
आधुनिक मीरा को साकार।।

छायावाद की एक स्तम्भ,
लिखी अनेक कविता-कहानी।
सादगी की प्रतिमूर्ति,
उनकी क्षमता सबने जानी।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

4

सुभद्रा कुमारी चौहान

साहित्य जगत में होता है,
जिनका बहुत सम्मान।
ऐसी ही अमर कवयित्री थी,
सुभद्रा कुमारी चौहान।।

झाँसी की रानी पर कविता,
कालजयी थी यह रचना।
स्वतन्त्रता की थी सेनानी,
लिखी हैं कई अमर कहानी।।

रचना-
बृजराज सारस्वत(इं०प्र०अ०)
क० वि० गोपालगढ़
मथुरा, मथुरा

• आओ हाथ से हाथ मिलाएँ • मिशन शिक्षण संवाद • बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ •
02/09/2025 मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1

हिन्दी

हिन्दी गौरव भारत का,
भारत माता का यशगान।
हिन्दी, हिन्दू, हिन्दुस्तान
कह भारतेन्दु बढाएँ मान।।

तुलसी, कबीर के दोहे,
रसखान, मीरा का यह गान।
प्रेम, विरह का संगम इसमें
हिन्दी हमारा स्वाभिमान।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० जारी भाग 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

2

साहित्य

हिन्दी-साहित्य बहुत विशाल,
भाषा रचना का है यह संसार।
विभिन्न विधाएँ इसमें बेशुमार,
हिन्दी-साहित्य के काल हैं चार।।

इसमें आते नाटक और कहानी,
यह नहीं लगती कभी पुरानी।
लेखक लिखते हैं उपन्यास,
गद्य में होती साहित्य की बात।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

3

कवि

अनुभव, बिचारों को व्यक्त कर,
भावों को शब्दों में पिरोता।
रचना संगत विषयों की कर,
समझा पाता वह 'कवि' होता।।

सामाजिक, परिवेश, स्वास्थ्य,
राष्ट्र, धर्म, नीति बतलाये।
'कवि' की रचना पढ़कर-सुनकर,
मन्त्रमुग्ध जन-जन हो जाये।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

4

लेखक

लेखक वह एक योद्धा है,
जो लेखनी का प्रयोग करता।
समाजिक जीवन पर लिखकर,
अपने विचार प्रस्तुत करता।।

कहानी, नाटक, उपन्यास,
इतिहास विधाओं में पारंगत होता।
निस्वार्थ भाव से लेखक,
समाज की सेवा करता।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय राजपुर
मथुरा, मथुरा

3/09/2025

बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1

शिवानी

हिन्दी के संसार मे चमका सितारा,
नाम गौरापंत शिवानी प्यारा पाया।
नारी प्रधान लेखन था उनका न्यारा,
हिन्दी साहित्य मे खूब नाम कमाया।।

नायिका के चरित्र को बखूबी दर्शाया,
भाव प्रधान साहित्य से भाव जगाया,
चौदह फेरे,विषकन्या थे प्रमुख काम,
साहित्य मे शिवानी जी का रहेगा नाम।।

रचना

इला सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय
पनेरूवा, अमौली, फतेहपुर

2

सुमित्रानंदन पंत

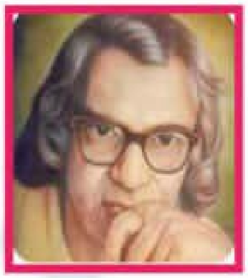

बीस मई उन्नीस सौ ई० में,
हुआ था जिनका जन्म।
तब छायावादी युग था,
नाम था सुमित्रानंदन पंत।

सुंदर,सौम्य,मुखाकृति लंबे घुंघराले बाल,
लेखन से अपने बनाई दुनिया में पहचान।
उपाधियां मिली बारंबार,
पाकर अनेकों पुरस्कार।।

रचना

माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना,मेरठ

3

रामधारी सिंह दिनकर

बिहार राज्य की थे शान,
पूरे भारत को है अभिमान।
राष्ट्र कवि होने का मिला सम्मान,
पाया उन्होने प्यारा दिनकर नाम।।

ओज,क्रांति का स्वर मुखर किया,
रचना मे देश भक्ति को स्थान दिया।
उर्वशी, कुरूक्षेत्र जैसी की रचना,
जिनकी ना हो सकती कही तुलना।।

रचना

आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रनियां प्रथम
सरवनखेड़ा,कानपुर देहात

4

धर्मवीर भारती

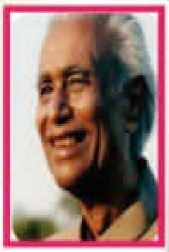

लेखक,कवि और नाटककार,
धर्मवीर भारती साहित्य चमत्कार।
25 दिसम्बर,1926 को लिया जन्म,
पिता चिरंजीव माता चन्दा हुये धन्य।

सूरज का सातवां घोडा अनुपम रचना,
गुनाह का देवता है सदाबहार रचना।
हिन्दी साहित्य मे किया बहुत काम,
हम सभी सम्मान से लेते है उनका नाम।।

रचना

नीलम भास्कर (स०अ०)
उ०प्रा०वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

4/09/2025

गुरुवार

बाल साहित्य सृजन

1

सन्त रविदास

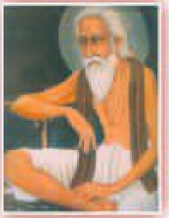

आत्मज्ञान का बोध कराया,
जात-पात का खण्डन किया।
जन कल्याण के दोहे लिखे,
वाराणसी में जन्म लिया।।

सन्त शिरोमणि रैदास नाम है,
मीरा के ये गुरु कहलाये।
गुरु ग्रंथ साहिब में पद हैं शामिल,
आम जन को खूब समझाये।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2

सूरदास

जन्म हुआ रुनकता में जिनका,
सूरदास हुआ नाम उनका।
जन्मजात अन्धे थे फिर भी,
अपनी प्रतिभा से मचा दिया डंका॥

पिता रामदास व गुरू बल्लभाचार्य ने,
संवारा सारा जीवन उनका।
सूरसागर, सूरसारावली,साहित्य-लहरी से,
जग में रोशन हुआ नाम उनका॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3

कबीरदास

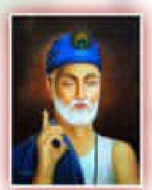

काशी में थे जन्मे और कबीर जिनका नाम,
सर्वधर्म के अनुयायी और लेखन था काम।
अन्धविश्वास, पाखंड और पूजा के विरोधी,
धर्मनिरपेक्ष और मानवता ही था उनका धाम।।

सरल, सहज भाषा के कवि वो बड़े महान,
दोहे, साखी और रमैणी से फैलाया ज्ञान।
कबीर जी के दोहे हैं आज भी बहुत प्रसिद्ध,
साहित्य के क्षेत्र में है उनका अमिट योगदान।।

पारुल चौधरी (स·अ·)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4

रहीम दास

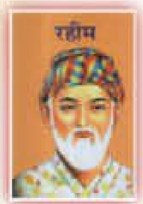

अकबर के दरबारी कवि,
अभिभावक बैरम खां के पुत्र थे।
सन 1556 में जन्म हुआ,
खानखाना की उपाधि से युक्त थे।।

हिंदी, संस्कृत, अरबी, फारसी के,
वह थे अच्छे जानकार।
नीतिपरक रचनाओं से किया,
स्वतंत्र अभिव्यक्ति शानदार।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

- आओ हाथ से हाथ मिलाएँ - मिशन शिक्षण संवाद - बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ -

05/09/2025 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1

कबीरदास

कबीरदास जी ने अंधविश्वास और,
पाखण्ड का कड़ा विरोध किया।
सादगी, सच्चाई, ईमानदारी और,
ईश्वर भक्ति का सन्देश दिया।।

ये भक्तिकाल के निर्गुण शाखा के,
महान कवि कहलाए।
सबद और साखी के नाम से,
प्रसिद्ध हैं उनकी सभी रचनाएँ।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2

मुंशी प्रेमचन्द

31 जुलाई 1880 में जन्मे,
हिन्दी के महान उपन्यासकार।
वाराणसी के लमही में जन्मे,
प्रसिद्ध लेखक मुंशी प्रेमचंद जी।।

उपन्यास सम्राट के रूप में,
मुंशी प्रेमचन्द को जाना जाता।
साहित्य जगत स्तम्भ रूप में,
आज भी इन्हें याद किया जाता।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3

सुभद्रा कुमारी चौहान

16 अगस्त 1904 में जन्मी,
लेखिका सुभद्रा कुमारी चौहान।
राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत कविताएँ,
लिखती थी सुभद्रा कुमारी चौहान।।

राष्ट्रीय चेतना को जगाने वाली,
कवियत्री थी सुभद्रा कुमारी चौहान।
स्वतन्त्रता संग्राम के आन्दोलन में,
सक्रिय थी सुभद्रा कुमारी चौहान।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

महादेवी वर्मा

छायावादी युग की शान,
साहित्य में जिनका योगदान।
मशहूर कवयित्री, उपन्यासकार,
महादेवी वर्मा है इनका नाम।।

निहार, रश्मि, दीपशिखा,
महत्वपूर्ण रचनाओं के नाम।
खड़ी बोली की रचनाकार,
आधुनिक मीरा पड़ा नाम।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

आपका दिन शुभ हो..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.
शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें. 94582 78429

संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

1 तुलसीदास

रामबोला भक्त राम का,
बाल्मीकि अवतार थे जी।
रामचरित मानस अवधी में,
आसन लगाया चित्रकूट में जी।।

रामघाट प्रिय घाट था उनका,
राम का दर्शन जहां पाया।
राम राम कहते लिखते,
फिर अमरकाव्य लिख पाया।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कं० उ० प्रा० वि० खजनी
(रुद्रपुर) गोरखपुर

2 रहीम

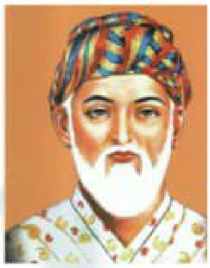

सम्राट अकबर के सेनापति,
अब्दुल रहीम खानखाना थे।
दरबारी कवि व बहुभाषी,
साहित्यकार थी देशभक्ति।।

अकबर के नवरत्न विशेष,
रचनायें जीवन के अनुभवों,
से ओतप्रोत व ज्ञानवर्धक।
जो हैं वर्तमान में तर्कसंगत।।

रचना
सुमन पाण्डेय प्र.अ
प्रा.वि.टिकरी-मनौटी
खजुहा,फतेहपुर

3 मीराबाई

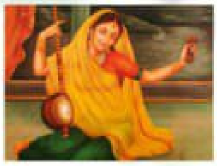

प्रभु कृष्ण की दीवानी मीराबाई,
कृष्ण भक्ति में रहती थी लीन।
कृष्ण भक्ति में ऐसे डूबी,
जैसे जल के बिन मीन।।

मन में बसा कर मूरत श्याम की,
बन गई रानी सांवले श्याम की।
1498 में हुआ जन्म राजस्थान में,
भक्ति किया मनमोहन श्याम की।।

रचना-
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली फतेहपुर

4 सूरदास

सूरदास भक्ति के अनमोल रतन,
श्री कृष्ण भक्ति का अमर चन्दन।
उनके पदो में रस की धारा,
भक्तों के मन को देती किनारा।।

कान्हा की लीला सूर ने गाई,
हर शब्द में प्रेम की माला सजाई।
आज भी गूँजे उनके भजन मधुर,
हर दिल में बसता है सूर का सुर।।

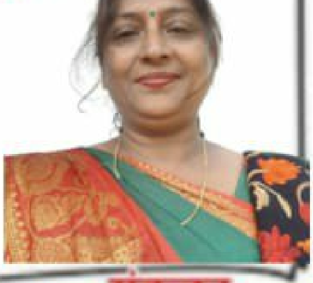

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

08-09-2025

सोमवार

बाल साहित्य सृजन

1

सन्त कबीरदास

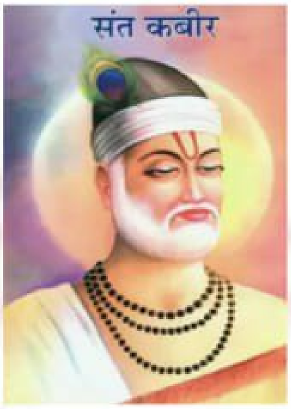

गुरु श्री रामानन्द के ,
सच्चे शिष्य कबीर।
समान रूप से मानते,
सब साधू, सन्त, फकीर।।

निर्गुण भक्ति शाखा के,
यह कवि सभी प्रसिद्ध।
उलटबाँसी के पद लिखे,
हैं साखी के सिद्ध।।

रचना
बृजराज सारस्वत (ई०प्र०अ०)
क० वि० गोपालगढ़
मथुरा, मथुरा

2

कवि हरिऔध

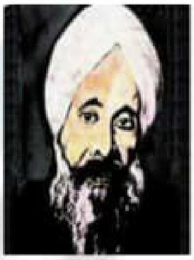

कवि, साहित्य और निबन्धाकार,
खड़ी बोली के प्रथम रचनाकार।
नाम अयोध्या सिंह उपाध्याय,
'प्रिय प्रवास' के महाकाव्यकार।।

'वैदेही-वनवास' अधखिला फूल,
कवि हरिऔध की प्रमुख रचनाएँ।
खड़ी-बोली, बृज भाषा, संस्कृतनिष्ठ,
इसी शैली में रची हैं कविताएँ।।

रचना
शालिनी (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय कूँड़
करहल, मैनपुरी (उ०प्र०)

3

सुमित्रानंदन पन्त

छायावादी कवियों में,
प्रमुख चार स्तम्भ।
जिनमें नाम प्रमुख है,
सुमित्रानंदन पन्त।।

चिदम्बरा, वीणा, गुंजन व,
बूढ़ा चाँद आदि रचना है।
वर्णन प्रकृति अधिक कीन्हा है,
हिन्दी साहित्य के गहना हैं।।

रचना
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

4

महाकवि निराला

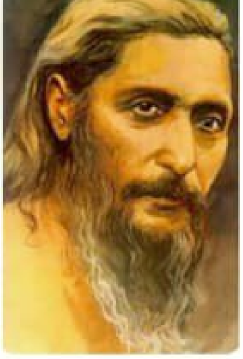

निराला थे कवि अनोखे,
शब्दों में थे रंग झरोखे।
सच की बातें सबको सिखायीं,
नई राहें सबको दिखायीं।।

बाल मन में उमंग जगायी,
कविता खेल-खेल में गायी।
भारत का गौरव कहलाये,
निराला सबके मन को भाये।।

रचना
रचना तिवारी (इ०स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय ढिमरपुरा
पुनावली कलां, बबीना, झाँसी

- आओ हाथ से हाथ मिलाएँ - **मिशन शिक्षण संवाद** - बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ -

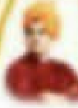

09/09/2025

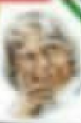

मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1

सुमित्रानन्दन पंत

लेखक और कवि के रूप में,
प्रमुख स्तम्भ इन्हें कहा जाता।
हिन्दी-साहित्य, छायावादी युग में,
सुमित्रानन्दन पंत का नाम आता।।

प्रकृति से अद्भुत प्रेम,
इनकी रचनाओं में दिखता।
कवि सुमित्रानन्दन पंत को,
प्रकृति का 'सुकुमार' कहा जाता।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय राजपुर
मथुरा, मथुरा

2

मैथिलीशरण गुप्त

खड़ी बोली के महत्वपूर्ण,
कवियों में गिनती की जाए।
अद्भुत साहित्य सेवा से,
'राष्ट्र-कवि' का दर्जा पाए।।

पंचवटी, साकेत, उर्मिला,
साहित्य को समृद्ध करें।
पद्म-भूषण से सम्मानित,
'दद्दा' ये उपनाम धरें।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० जारी भाग 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

3

रामधारी सिंह 'दिनकर'

रामधारी सिंह 'दिनकर',
हिन्दी के कवि प्रमुख।
कुरुक्षेत्र, रश्मिरथी, उर्वशी,
हुंकार इनकी कृति हैं मुख्य।।

पद्म-भूषण की उपाधि पायी,
गद्य-पद्य दोनों विधा अपनायी।
ओज, विद्रोह, कविता में मिलते,
आपको स्वतन्त्रता-सेनानी भी कहते।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

4

महादेवी वर्मा

नारी का स्वरुप बखाना,
कविता में प्रेम, विरह-वेदना।
महिलाओं के लिए संघर्ष किया,
'चाँद' पत्रिका में निबन्ध, लेख दिया।।

'रश्मि', 'सांध्य गीत', 'दीपशिखा',
अनेकों कविता-संग्रह लिखे।
सामाजिक सुधार, जीवन-दर्शन,
कविता में नारी के प्रति भाव दिखे।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

आपका दिन शुभ हो..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.

शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें. 94582 78429

संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

1

मीराबाई

मेरे तो गिरिधर गोपाल जैसे पद,
लिखने वाली मीरा को देते सम्मान।
राजकुल की वधू से कृष्ण उपासिका,
बनने का सफर उनका ना था आसान।।

साधारण पदो से जनमानस को
भक्तिभाव से ओतप्रोत किया।
अपने प्रभु कृष्ण की द्वारिका मे,
अपने जीवन का त्याग कर दिया।।

रचना
इला सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय
पनेरूवा, अमौली, फतेहपुर

2

रहीम

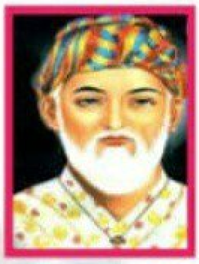

मिरजा खान राम रहीम,
थे कवि मध्यकालीन।
मानव-प्रेम के सूत्रधार थे,
सभी संप्रदायों के प्रति समादर भाव थे।।

दानवीर,कला प्रेमी विद्वान थे।
एक साथ कलम, तलवार के धनी थे।
व्यक्तित्व प्रतिभाओ से भरा हुआ,
काव्य में अपने हिंदू ग्रंथो को था चुना।

रचना
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना,मेरठ

3

रसखान

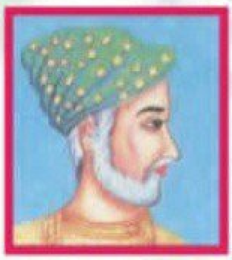

रसखान भक्ति काल में,
महत्वपूर्ण स्थान रखते।
भक्ति व श्रृंगार रस काव्य में,
इनकी प्रमुखता से मिलते।।

रचनाओं में इनकी,
कृष्ण भक्ति दिखाई देती।
प्रेमवाटिका,सुजान रसखान इनकी,
प्रमुख रचनाएं मानी जाती।।

रचना
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रनियां प्रथम
सरवनखेड़ा,कानपुर देहात

4

चंद्रबरदाई

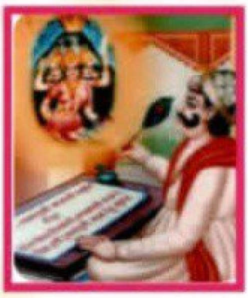

चन्द्र बरदाई आदिकाल के,
महाकाव्य में थे शुमार।
पृथ्वी राज चौहान के मित्र,
हिन्दी जगत के तारणहार।।

दोहा, तोमर त्रोटहा छंद,
उत्कृष्ट रचनाएं में एक।
प्रथम हिन्दी के कवि यह,
जिन्हें जाने दुनिया अनेक।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ०प्रा०वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

बाल साहित्य सृजन

1

मीरा बाई

मीरा बाई महलों की रानी,
श्री कृष्ण की भक्त बनी।
जग जागरण की कई रचना,
उन्होंने खूब गुनी और बुनी।।

मीरा बाई के पद सारे,
भक्ति और प्रेम सिखाते हैं।
जितना पढ़ते जायें हम,
कृष्ण के करीब हो जाते हैं।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2

प्रेमचंद

मूल नाम धनपत राय श्रीवास्तव,
जो जाना गया प्रेमचंद नाम से।
जन्म हुआ 31 जुलाई 1880 लेमही में,
जो पड़ता है, उत्तर प्रदेश राज्य में॥

प्रेमाश्रम,रंगभूमि से आदि कृति से,
जग में इनकी पहचान हुई।
साहित्यिक कलाकार प्रेमचंद की,
8 अक्टूबर 1930 में मृत्यु हुई॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3

सुभद्राकुमारी चौहान

जमींदार की बेटी थी पर,
नहीं था कोई अभिमान।
सफेद सूती साड़ी में रहकर,
अर्जित किया था सम्मान।।

संस्कारों से अभिभूत थी,
देश सेवा को समर्पित।
महान लेखिका व कवियत्री,
थी सुभद्राकुमारी चौहान।।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4

कबीर दास

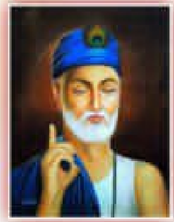

अंधविश्वास और पाखंडों का,
किया उन्होंने सादात विरोध।
एक परमेश्वर में विश्वास करके,
दिया मानवता का सुबोध।।

वाराणसी में इनका जन्म हुआ,
नीरू और नीम ने पालन किया।
सर्वधर्म समभाव के शिक्षा दिये ,
अध्यात्म व भक्ति का पालन किया।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

- आओ हाथ से हाथ मिलाएँ - **मिशन शिक्षण संवाद** - बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ -

12/09/2025

बाल साहित्य सृजन

शुक्रवार

1

तुलसीदास

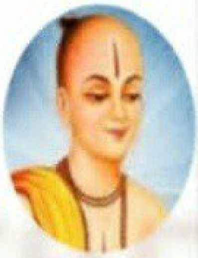

सांसारिक मोह को त्यागकर,
राम भक्ति को अपनाया।
उनके द्वारा रामायण का हिन्दी रूप,
रामचरित मानस कहलाया।

रामबोला दुबे जी रामभक्त बनकर,
गोस्वामी तुलसीदास कहलाए।
विनय पत्रिका,गीतावली,दोहावली,
कवितावली हैं उनकी प्रमुख रचनाएँ।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2

जयशंकर प्रसाद

आधार स्तम्भ छायावाद के,
कहलाये जयशंकर प्रसाद।
भारतीय हिन्दी साहित्य के,
महाकवि थे जयशंकर प्रसाद।।

उपन्यास, कहानी, नाटक की,
विधाओं में खूब रचनायें की।
प्रेम, देशप्रेम, प्रकृति चित्रण की,
विशेष रूपरेखा स्थापित की।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3

महादेवी वर्मा

आधुनिक युग की मीरा,
कही जाती महादेवी वर्मा।
सन 1907 फर्रुखाबाद में,
जन्मी कवयित्री महादेवी वर्मा।

अपनी श्रेष्ठ रचनाओं से,
हिन्दी को समृद्ध किया।
निहार, रश्मि नीरज अनेकों,
रचनाओं का लेखन किया।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

मुंशी प्रेमचंद

सामाजिक कथा साहित्य के अग्रदूत,
कथा सम्राट की मिली उपाधि।
धनपत राय श्रीवास्तव को,
मुंशी प्रेमचंद नाम से मिली ख्याति।।

आधुनिक हिन्दी साहित्य के लेखक,
अपनाया यथार्थवादी दृष्टिकोण।
कृतियाँ, उपन्यास, पत्रिका लिख,
समाज का बदला दृष्टिकोण।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

आपका दिन शुभ हो..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.
शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें. 94582 78429

संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

13.09.2025

शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1

प्रेमचंद्र

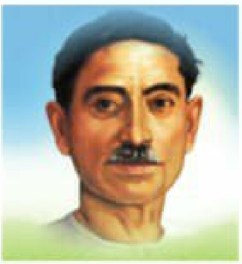

श्रेष्ठ विचारक महाविभूति,
उपन्यास के थे सिरमौर।
साहित्य क्षेत्र के परम प्रणेता,
अमर नाम हो कोई भी दौर।।

सेवा सदन या पूस की रात,
कफ़न साथ गोदान की बात।
एक से बढ़कर एक कहानी,
प्रेमचंद अद्भुत
साहित्यकार।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कं० उ० प्रा० वि० खजनी
(रुद्रपुर) गोरखपुर

2

धर्मवीर भारती

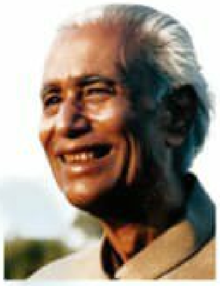

लेखक, पत्रकार,अनुवादक,
धर्मवीर भारती रहे सम्पादक।
जन्मे प्रयागराज की धरती पर,
तारीख 25 दिसम्बर 1926।।

सन1972 में मिला पद्म श्री,
विधाएं निबंध, यात्रावृतांत।
कहानी, एकांकी, उपन्यास,
गुनाहों का देवता प्रथम उपन्यास।।

रचना
सुमन पाण्डेय प्र.अ
प्रा.वि.टिकरी-मनौटी
खजुहा,फतेहपुर

3

मोहन राकेश

नई कहानी आन्दोलन के प्रणेता,
बनकर आये साहित्य जगत में,
8 जनवरी 1925 को जन्मे,
मोहन अमृतसर के पंजाब में।।

नाटक, उपन्यास और कहानी,
लिखकर अमिट प्रसिद्धि पायी।
आषाढ़ का एक दिन, आधे-अधूरे,
मलबे का मालिक से ख्याति पायी।।

रचना -
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
क० वि० अमौली,
अमौली, फतेहपुर

4

हरिशंकर परसाई

हरिशंकर परसाईं व्यंग के सिपाही,
कलम से चीर दी समाज की स्याही।
नौकरशाही पर तंज कसे ऐसे,
हँसी के साथ दिल को छू गए जैसे।।

रानी नागफनी हो या विकट कवि,
हर कहानी में सच्चाई की रवि।
समाज को जगाने की है पुकार,
कलम की धार में बसता है संसार।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

15/09/2025 सोमवार

बाल साहित्य सृजन

1 रसखान

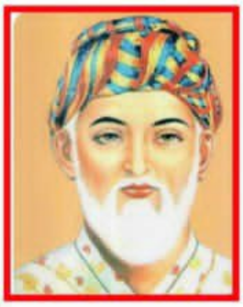

ब्रज भाषा के प्रमुख कवि,
भक्तराज रसखान।
बाल कृष्ण की भक्ति का,
करते हैं रसपान।।
अत्यन्त मधुर रचनाएँ इनकी,
हर लें सब व्याधाएँ मन की।
हिन्दी के यह प्रमुख कवि हैं,
साहित्य शिखर के यही रवि हैं।।

रचना-
बृजराज सारस्वत(इं०प्र०अ०)
क० वि० गोपालगढ़
मथुरा, मथुरा

2 बिहारी

रीतिकाल के प्रसिद्ध कवि,
बिहारी की है अनोखी छवि।
ब्रजभाषा में काव्य रचना,
रस-छन्दों की अधिकता की।।
बिहारी सतसई प्रमुख है रचना,
भक्ति, श्रृंगार और नीति का मेल।
प्रकृति, सौन्दर्य और लोक जीवन,
समाहित सुन्दर काव्य का खेल।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

3 सूरदास

श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का,
सचित्र जिसने वर्णन किया।
भक्ति लीन सूरदास को नमन,
जीवन कृष्ण प्रशन्सा में जिया।।
सूरसागर के रचनाकार,
ब्रजभाषा में गायीं रचनाएँ।
श्री कृष्ण की रचीं बाल लीलाएँ,
आज भी उनका मंचन किया जाये।।

रचना-
शालिनी (स०अ०)
प्रा० वि० कूँड़
करहल, मैनपुरी

4 तुलसीदास

सगुण शाखा के कवि,
महान, शिरोमणि तुलसीदास।
राम भक्ति में रम गए,
राम दरस की आस।।
रामायण की रचना की,
हनुमान चालीसा का गान।
अपनी रचनाओं में किया,
सगुण रूप गुणगान।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

16/09/2025

मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1

मीराबाई

भक्ति मार्ग की मुख्य सन्त,
कृष्ण-भक्ति में पद गाए।
चहुँ-ओर कृष्ण ही दिखे उन्हें,
विष पिया कृष्ण ही नजर आए।।

वीणा की धुन पर पद गायन,
सत्संग, नृत्य, किए तीर्थाटन।
भाया न राज-पाट, वैभव,
त्यागी देह रण-छोड़ चरणन।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

2

रहीम दास

खान जादा मिर्जा खान,
अब्दुल रहीम, 'रहीम दास' कहा जाता।
दानवीर, कूटनीतिज्ञ, बहुभाषाविद,
कला प्रेमी के रूप में जाना जाता।।

ब्रजभाषा और अवधि में
अद्भुत रचना मिलती।
रहीम-सतसई, श्रृंगार-सतसई,
'रहीम-ग्रंथावली' में रचनाएँ मिलती।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय राजपुर
मथुरा, मथुरा

3

सन्त तुलसीदास

चित्रकूट जिले के राजापुर,
गांव में जन्मे तुलसीदास।
कलियुग में राम भक्ति की,
लेकर आए अद्भुत आस।।

आत्माराम दुबे पिता,
माता हुलसी बड़ी महान।
रचा 'रामचरितमानस' को,
कलियुग में प्रासंगिक जान।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० जारी भाग 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

4

जयशंकर प्रसाद

30 जनवरी को काशी में जन्मे,
शिक्षा-दीक्षा काशी में पाए।
भाषा में संस्कृत का प्रभाव,
'रसमय-सिद्ध' उपनाम थे पाए।।

हिन्दी, कवि निबन्ध, नाटककार,
आप थे बेहतरीन उपन्यासकार,
खड़ी बोली में की काव्य-रचना,
कमनीय बहती माधुर्य रसधार।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

बाल साहित्य सृजन

1

देवकीनन्दन खत्री

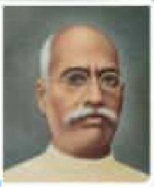

बिहार मे जन्मे यह साहित्यकार,
तिलिस्म लिखकर किया चमत्कार।
इनके उपन्यास रोमांच से थे भरे,
तिलिस्म और रहस्य के किस्से गढ़े।।

चन्द्रंकाता उपन्यास ने मचाई धूम,
लोग इसको पढ़कर उठते थे झूम।
इस उपन्यास पर धारावाहिक बना,
दुनियाभर मे बहुत लोकप्रिय हुआ।।

रचना
इला सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय
पनेरूवा, अमौली, फतेहपुर

2

सूर्य कांत त्रिपाठी 'निराला'

21 फरवरी 1896 में जन्म हुआ था जिनका,
नाम था सूर्यकांत त्रिपाठी निराला उनका।
छायावादी दौर के लेखक,
मुक्त-छंद के थे प्रवर्तक।।

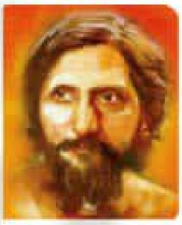

जीवन में संघर्ष बहुत आया,
लेकिन मन कभी उनका न घबराया।
हिंदी,संस्कृत का भी ज्ञान अर्जित किया,
परिश्रम से इतिहास अपना बना दिया।।

रचना
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना,मेरठ

3

जायसी

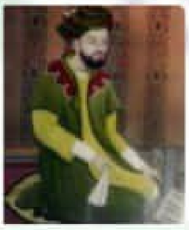

भक्तिकाल की प्रेममार्गी शाखा,
के प्रवर्तको ने बनायी पहचान।
उनमे से एक प्रवर्तक का था,
मलिक मुहम्मद जायसी नाम।।

इन्होने पद्मावत लिखकर काव्य,
जगत मे एक तहलका मचा दिया।
इस महाकाव्य ने हमे अपने वीरो,
के शौर्य से अनूठा परिचय करा दिया।।

रचना
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रनियां प्रथम
सरवनखेड़ा,कानपुर देहात

4

चन्द्र बरदाई

पृथ्वीराज चौहान के दरबार में
था उनका अनोखा परचम।
रच दिया महाकाव्य उन्हीं पर,
'रासो' पढ़ दुनिया हुई दंग।।

ब्रजभाषा के मिश्रित शब्दों से,
अपनी रचनाओं को निखारते।
दूहा,तोमर,त्रोटक जैसे छंद,
भारतीय संस्कृति को है बढ़ाते।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ०प्रा०वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

18/09/2025

बाल साहित्य सृजन

गुरुवार

1

मन्नू भण्डारी

मंदसौर में जन्मी कहानीकार,
नाम है इनका मन्नू भण्डारी।
'महाभोज', 'आपका बंटी',
और लिखीं रचना बहुत सारी।।

व्यास सम्मान से हैं सम्मानित,
इनकी कहानी पर फिल्म बनी।
स्त्री व्यथा,सामाजिक,पारिवारिक,
कहानियाँ खूब इन्होंने बुनीं।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2

हजारी प्रसाद द्विवेदी

19 अगस्त 1907 को बलिया में
हजारी प्रसाद द्विवेदी का जन्म हुआ।
1957 में हजारी प्रसाद द्विवेदी को,
पद्मभूषण का सम्मान मिला।।

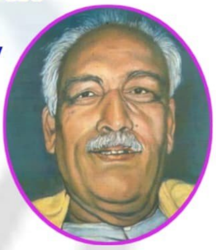

मेघदूत सुरसाहित्य आदि से,
जग में इनकी पहचान हुई।
19 मई 1979 को इस साहित्यकार की,
जग से इनकी अंतिम विदाई हुई।।

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3

महादेवी वर्मा

छायावाद की प्रमुख स्तम्भ,
और महिला शिक्षा को समर्पित।
करुणा, वेदना काव्य में प्रमुख,
पदम् विभूषण से सम्मानित।।

आधुनिक मीरा नाम से जानी जाती,
गद्य और पद्य लेखन में थी स्थापित।
महान कवि महादेवी वर्मा का नाम,
रहेगा ध्रुव तारे की भांति प्रकाशित।।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4

सुमित्रानंदन पंत

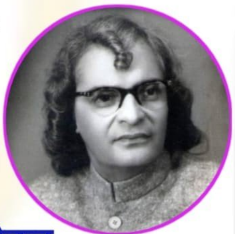

20 मई 1900 को कौसानी ग्राम में,
सुमित्रानंदन पंत का जन्म हुआ।
गांधी जी के आंदोलन से प्रभावित होकर,
स्वंय से कई विषयों का अध्ययन किया।।

वीणा, पल्लव, गुंजन आदि रचनाओं से,
सारे जग में अपना परचम लहराया।
29 दिसंबर 1977 को हिंदी साहित्यकार ने,
इस दुनिया से रिश्ता तोड़ दिया।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

- आओ हाथ से हाथ मिलाएं - **मिशन शिक्षण संवाद** - बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं -

19/09/2025

बाल साहित्य सृजन

शुक्रवार

1

सरोजिनी नायडू

हैदराबाद की सरोजिनी नायडू,
भारत कोकिला कहलाई।
ये एक राजनैतिक कार्यकर्ता
भारत की प्रथम राज्यपाल कहलाई।।

ये भारत की स्वतन्त्रता सेनानी,
कवयित्री और नारीवादी रहीं।
इनकी पुस्तकें द विलेज सॉन्ग,
और स्वर्णिम दहलीज आदि रहीं।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2

रहीमदास

अब्दुल रहीम खानखाना,
अकबर के रत्नों में एक थे।
हिंदी, अवधी भाषाओं के कवि,
समकालीन कवियों में एक थे।।

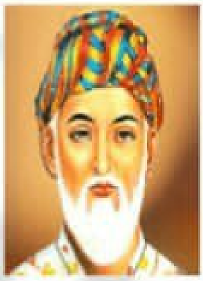

प्रेम भक्ति जैसे विषयों का,
संग्रह रहीम दोहावली में है।
रहीम दास जी के प्रसिद्ध दोहे,
रहीम सतसई में शामिल हैं।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

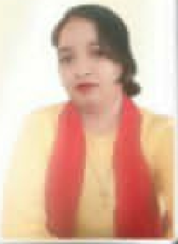

3

मुंशी प्रेमचंद

हिंदी के महान उपन्यासकार,
माने जाते है मुंशी प्रेमचंद।
धनपत राय के नाम से भी,
जाने जाते मुंशी प्रेमचंद।।

एक सफल लेखक, देशभक्त,
कहलाते हैं मुशी प्रेमचंद।
गोदान, गवन, कर्मभूमि के,
रचनाकार है मुंशी प्रेमचंद।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

कबीरदास

15 वीं सदी के महान सन्त,
कवि कबीरदास जी थे।
अंधविश्वास पाखण्ड विरोधी,
एक समाज सुधारक थे।।

दोहों-पदों की रचना से,
कुरीतियों को निंदा की।
प्रेम दया एकता के लिए,
कबीरपंथ की रचना की।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

· आओ हाथ से हाथ मिलाएँ · **मिशन शिक्षण संवाद** · बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ·

20/09/2025

शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1

सुमित्रा नंदन पंत

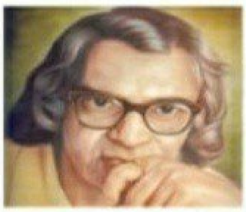

छायावादी कवि पंत,
विचारों से थे वे संत।
कालातीत रहीं कविताएं,
कोमल कवि उपाधि पाए।।

प्रकृति से उन्हें अनुराग था,
नवीन धारा का काव्य था।
ज्ञानपीठ, साहित्य अकादमी,
पुरस्कारों को उनपे नाज था।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कं० उ० प्रा० वि० खजनी
(रुद्रपुर) गोरखपुर

2

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

आधुनिक काल के कवि,
लेखक व साहित्यकार।
निराला छायावाद के रहे,
प्रमुख हिन्दी स्तंभकार।।

सन1899 में बंगाल में जन्मे,
शिक्षा प्राप्त कर कवि बने।
परिमल, अनामिका, अपरा,
गीतिका आदि मुख्य रचनायें।।

रचना
सुमन पाण्डेय प्र.अ
प्रा.वि.टिकरी मनौटी
खजुहा,फतेहपुर

3

अयोध्या उपाध्याय सिंह हरिऔध

काव्य धरा के उज्ज्वल दीपक,
हरिऔध महान कहाए।
"प्रिय प्रवासी" के अमर गायक,
हिंदी को गौरव दिलाए।।

सरल भाषा, गहन विचार,
रस से भरी रचनाएँ।
हर शब्द में झलके भारत,
हर पंक्ति में तरंग समाएँ।।

रचना -
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
क० वि० अमौली
अमौली, फतेहपुर

4

जयशंकर प्रसाद

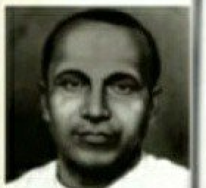

काशी की गोद में गंगा के तीर,
जन्मा एक कवि स्वप्नों का अधीर।
नदी से बहता उनका काव्य गहन,
हृदय को छूता जगाता है स्मरण।।

प्रकृति मानव और आत्मा का मेल,
उनके शब्दो मे बसता अमर सुमेल।
कमायनी में बसती है जीवन की गाथा,
प्रेम संघर्ष और जीवन की व्यथा।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

आपका दिन शुभ हो..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.
शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें. 94582 78429

संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

1

अज्ञेय

उन्नीस सौ ग्यारह में जन्में,
अज्ञेय था इनका उपनाम।
साहित्य की अनेक विधाओं में,
किया था इन्होनें काम।।

आधुनिक युग के लेखक यह,
थे बहुत अच्छे यायावर।
प्रसिद्ध है आँगन के पार द्वार,
कितनी नावों में कितनी बार।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

2

हरिवंशराय बच्चन

हरिवंशराय बच्चन थे,
हिन्दी के कवि महान।
मधुशाला, मधुबाला,
इनकी है पहचान।।

उत्तर छाया वाद के,
यह हैं कवि प्रसिद्ध।
हिन्दी के मर्मज्ञ हैं,
कविता के हैं सिद्ध।।

रचना-
बृजराज सारस्वत(इं०प्र०अ०)
क० वि० गोपालगढ़
मथुरा, मथुरा

3

भारतेन्दु हरिश्चंद्र

आधुनिक हिन्दी काव्य का,
पिता इनको माना जाता।
हिन्दी साहित्य में अग्रिम नाम,
भारतेन्दु हरिश्चंद्र जाना जाता।।

भारत दुर्दशा, अन्धेर नगरी,
भारत जननी आदि रचनाएँ।
नाटक, कविता, गद्य, काव्य,
पत्र लेखन सबको भाए।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

4

रहीम दास

एक मध्यकालीन कवि,
नाम है उनका रहीम दास।
अकबर के नवरत्नों में एक,
रहिमन धागा उनका दोहा खास।।

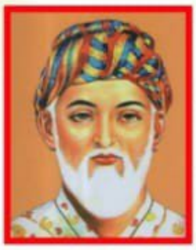

बहुभाषाविद, ज्ञानवीर,
बृज भाषा में रची रचनाएँ।
काव्य में श्रृंगार नीति के भाव,
प्रेम का पाठ पढ़ाते जाएँ।।

रचना-
शालिनी (स०अ०)
प्रा० वि० कूँड़
करहल, मैनपुरी

23/09/2025

मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1

राम चन्द्र शुक्ल

माता का नाम विभाषी,
चन्द्रबली पिता का नाम।
इनकी भाषा सरल, स्पष्ट,
कृतियों को मिला सम्मान।।

'हिन्दी-साहित्य का इतिहास',
हिन्दी का 'गौरव-ग्रन्थ' कहलाया।
भाव और अनुभूति कविता में,
मानव-हृदय के मन को भाया।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

2

रविन्द्रनाथ टैगोर

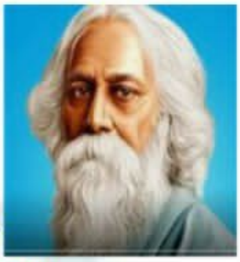

शिक्षक, समाज सुधारक,
संगीतज्ञ, साहित्यकार।
जगायी राष्ट्र-प्रेम की चेतना,
रहे नाटककार और चित्रकार।।

कोलकाता में जन्म हुआ,
'राष्ट्र-गान', जन-गण-मन लिखा।
'नोबेल पुरस्कार' से सम्मानित,
रचनाओं में संस्कृति से प्रेम दिखा।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

3

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

हिन्दी-साहित्य के पितामह,
इनको ही कहा जाता।
आधुनिक काल का प्रारम्भ,
'भारतेन्दु जी' से ही माना जाता।।
हरिश्चन्द्र-चन्द्रिका, कविवचनसुधा,
पत्रिकाओं का सम्पादन किया।
अद्वितीय प्रतिभा के धनी,
हिन्दी-साहित्य भण्डार दिया।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय राजपुर
मथुरा, मथुरा

4

सुभद्रा चौहान

थीं प्रहरी, राष्ट्र-चेतना की,
सुभद्रा कुमारी चौहान।
लिखकर 'झाँसी की रानी',
बढ़ाया हिन्दी-साहित्य का मान।।
मुकुल, बिखरे-मोती, उन्मादिनी,
सीधे-साधे चित्र हैं कृतियाँ।
स्वतन्त्रता-संग्राम में लिया भाग,
करनी पड़ी जेल-यात्रा।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० जारी भाग 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

· आओ हाथ से हाथ मिलाएँ · **मिशन शिक्षण संवाद** · बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ·

24/09/2025 बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1

माखनलाल चतुर्वेदी

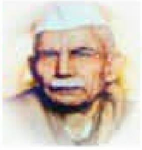

हिन्दी कवि, लेखक व पत्रकार,
के रूप में माखनलाल जाने जाते।
राष्ट्रीय पत्रों प्रभा व कर्मवीर,
के सम्पादक यह कहे जाते।।

एक भारतीय आत्मा के,
रूप में इन्हें जाना जाता।
देशभक्ति के साथ कविता में,
इनकी प्रकृति चित्रण भी मिलता।।

रचना
इला सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय
पनेरूवा, अमौली, फतेहपुर

2

हरिवंशराय बच्चन

हरिवंश राय बच्चन कवि व लेखक थे,
अभिनेता अमिताभ बच्चन के पिता थे।
उत्तर छायावाद युग के प्रमुख कवि थे,
१७ नवंबर १९०७ में जन्मे थे।।

मधुशाला कृति उनकी प्रसिद्ध रही,
१९७६ में पदमभूषण उपाधि मिली।
लेखन में सरल भाषा का प्रयोग किया,
अपनी आत्मकथा का भी सृजन किया।।

रचना
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना,मेरठ

3

नागार्जुन

हिन्दी व मैथिली साहित्य के,
लेखक नागार्जुन माने जाते।
मैथिली में यात्री की रचना की,
जिससे यात्री उपनाम से पुकारे जाते।।

अपनी कविताओं और लेखों से,
समाजिक समस्या को उजागर किया।
साहित्य अकादमी पुरस्कार से,
इन्हें सम्मानित किया गया।।

रचना
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रनियां प्रथम
सरवनखेड़ा,कानपुर देहात

4

मन्नू भंडारी

मध्य प्रदेश की प्रसिद्ध नगरी,
जिसमें इनका जन्म हुआ।
अपने उपन्यास, नाटककार से,
दुनिया में परचम लहरा दिया।।

महाभोज, स्वामी जैसी रचनाएं,
इनकी लेखनी को दर्शाते हैं।
"यही सच है" कहानी को निर्देशक,
रजनीगंधा जैसी फिल्में बनाते हैं।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ०प्रा०वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

आपका दिन शुभ हो..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.
शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें. 94582 78429

संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

- आओ हाथ से हाथ मिलाएँ - **मिशन शिक्षण संवाद** - बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ -

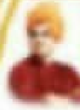

25/09/2025

बाल साहित्य सृजन

गुरुवार

1

मृदुला गर्ग

हिन्दी साहित्य की कलम,
मृदुला गर्ग जिनका है नाम।
लेखन के साथ-साथ दिल्ली,
विश्वविद्यालय में अध्यापन रहा काम।।

व्यास सम्मान, साहित्य अकादमी,
से हो चुकीं हैं यें सम्मानित।
कहानियाँ लिखीं, उपन्यास लिखे,
और कई रचनायें कीं अनुवादित।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2

रामचन्द्र शुक्ल

विद्वान, लेखक, निबंधकार
हिंदी आलोचक कवि उपन्यासकार।
सरल भाषा में लिखते सदा,
वह थे उत्कृष्ट साहित्यकार।।

'हिंदी साहित्य का इतिहास' लिख,
हिंदुस्तान का मान बढ़ाया।
मानव हृदय की वेदना को,
जन-जन तक उन्होंने पहुंचाया।।

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3

कालिदास

पत्नी ने जो किया अपमान,
तो अज्ञानी से वो बने विद्वान्।
संस्कृत लेखक कालिदास,
प्राचीन भारत के कवि महान।।

विश्व साहित्य की श्रेष्ठ रचना,
बनी अभिज्ञान शाकुन्तलम।
अनगिनत कृतियां उनकी,
मेघदूतम् और रघुवंशम।।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

हिंदी साहित्य के पितामह,
हरिश्चंद्र था जिनका नाम।
भारतीय नवजागरण के अग्रदूत,
शोषण के चित्रण का किया काम।।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी,
साहित्य में दिया बहुमूल्य योगदान।
अंधेर नगरी और भारत दुर्दशा से,
विश्व में बनाई अपनी पहचान।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

आपका दिन शुभ हो..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.

शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें. 94582 78429

संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

- आओ हाथ से हाथ मिलाएँ - मिशन शिक्षण संवाद - बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ -

26/09/2025

शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1 रविन्द्र नाथ टैगोर

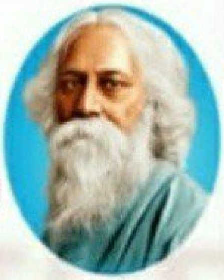

रविन्द्र नाथ टैगोर थे प्रसिद्ध,
लेखक, कवि, और संगीतकार।
उन्होंने प्राप्त किया साहित्य में,
एशिया का प्रथम नोबेल पुरस्कार।

भारतीय सांस्कृतिक चेतना में,
टैगोर जी ने फूंकी थी नई जान।
उनके लिखी दो रचनाएं बनी,
भारत एवं बांग्लादेश के राष्ट्रगान।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2 गोस्वामी तुलसीदास

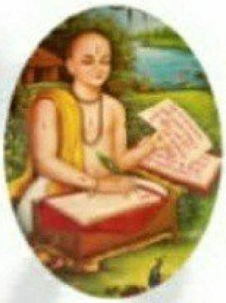

उत्तरप्रदेश के राजापुर में,
तुलसीदास जी जन्म हुआ।
नरहरिदास जी की शरण में,
इन्हें मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।।

समाज समन्वयक के रूप में,
इन्होंने महान कार्य किया।
कवितावली दोहावली के रूप में,
प्रेम के मूल्यों को उजागर किया।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3 सूरदास

भक्ति और श्रृंगार रस से,
सजी है उनकी रचनाएँ।
हिंदी साहित्य के उत्कृष्ट कवि,
बनकर खूब प्रसिद्धि पाए।।

सूरसागर और साहित्यलहरी,
उनकी हैं उत्कृष्ट रचनाएँ।
बाल लीला का वर्णन कर
श्री कृष्ण के परम भक्त कहलाए।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4 सुमित्रानंदन पंत

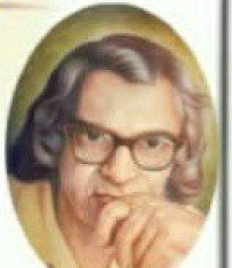

अल्मोड़ा में जन्मे सुमित्रानंदन पंत,
छायावादी युग की थे शान।
प्रगतिवादी, प्रकृतिवादी, छायावादी,
प्रकृति के 'सुकुमार कवि' पड़ा नाम।।

अनेको रचनाएँ ग्रंथि, गुंजन, युगांत,
स्वर्णधूली, बूढ़ा चॉद परिवर्तन।
गा कोकिला संदेश सनातन,
मानव का परिचय मानवपन।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

आपका दिन शुभ हो..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.
शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें. 94582 78429

संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

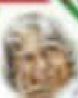

बाल साहित्य सृजन

1

मीराबाई

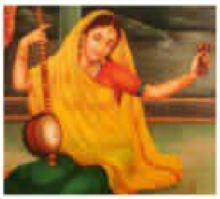

कृष्णप्रेम में रंग गई मीरा,
भक्ति का रस चख गई मीरा।
लोक, लाज, कुल की मर्यादा,
कृष्ण प्रेम में तज गई मीरा।।

एक भाव और एक राह पर,
सब कुछ छोड़ निकल गई मीरा,
जहर का प्याला जो राणा ने भेजा,
कृष्ण प्रेम में पी गई मीरा।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कं० उ० प्रा० वि० खजनी
(रुद्रपुर) गोरखपुर

2

महादेवी वर्मा

हिन्दी की आधुनिक मीरा,
उपन्यासकार व कवयित्री।
लघुकथाकार महादेवी वर्मा,
उत्तर प्रदेश में थीं जन्मी।।

छायावाद की प्रमुख स्तम्भ,
रचनायें पथ के साथी व यम।
पुरस्कार ज्ञानपीठ पद्म भूषण,
सम्मान मिला पद्म विभूषण।।

रचना
सुमन पाण्डेय प्र.अ
प्रा.वि.टिकरी-मनौटी
खजुहा,फतेहपुर

3

सुभद्रा कुमारी चौहान

वीर रस की महान कवयित्री,
देशप्रेम जगाने वाली।
नारी हित की बात कही,
राष्ट्रीय चेतना जगाने वाली।।

झाँसी की रानी कविता,
रचकर प्रसिद्धि बड़ी पायी।
मुकुल और बिखरे मोती,
काव्य संग्रह कहलायी।।

रचना -
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
क० वि० अमौली, अमौली,
फतेहपुर

4

अमृता प्रीतम

अमृता प्रीतम हैं शब्दों की मलिका,
उनकी कलम में है लेखन का सलीका।
पंजाब की माटी, प्रेम की जुबान,
उनके गीतों में बसता है जहान।।

रसूल की सैर, हीर की व्यथा,
उनकी लेखनी में जीवन की कथा।
स्त्री मन की पुकार, आजादी की सांस,
हर शब्द में होता है बगावत का एहसास।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

बाल साहित्य सृजन

1

सुभद्रा कुमारी चौहान

हिन्दी की प्रसिद्ध कवयित्री,
सुभद्रा चौहान कहलाती हैं।
झांसी की रानी की लेखिका,
राष्ट्र प्रेम की अलख जगाती हैं।

स्वतन्त्रता सेनानी रही जेल में,
रचनाओं में अपनी लिखी कहानी।
सम्मान में जारी हुआ उनके टिकट,
सुभद्रा कुमारी थी ऐसी मर्दानी।।

रचना-
शालिनी (स०अ०)
प्रा० वि० कूँड़
करहल, मैनपुरी

2

नरोत्तम दास

कृष्ण-सुदामा की मित्रता पर,
लिख दिया एक खंड-काव्य।
कवि नरोत्तम दास ने फिर,
सबको दिया सुनाय।।

'सुदामा चरित' है उनकी,
सबसे अच्छी रचना।
निभायी कृष्ण ने मित्रता,
बनाया सुदामा को अपना।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

3

मीराबाई

द्वापर की कोई गोपी,
फिर से मीरा बन कर आयी।
बचपन से श्री कृष्ण भक्ति की,
मन में अलख जगायी।।

प्रभु को अपना प्रियतम माना,
प्रभु पर ही सब वारा।
इनके भक्ति बल के आगे,
राणा भी सब हारा।।

रचना-
बृजराज सारस्वत(इं०प्र०अ०)
क० वि० गोपालगढ़
मथुरा, मथुरा

4

रवीन्द्र नाथ टैगोर

भारतीय संस्कृति चेतना में ,
नई जान फूँकने वाले कवि।
दार्शनिक, साहित्यकार थे ,
नोबेल पुरस्कार प्राप्त कवि।।

रवीन्द्र नाथ टैगोर नाम उनका,
बंगला साहित्य में काम उनका।
लिखा उन्होंने राष्ट्रीय गान,
पुस्तक उनकी गीतांजलि महान।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

30.09.2025

मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1

सरोजिनी नायडू

'भारत-कोकिला' के नाम से,
हस्ती वो जानीं जाती।
स्वतन्त्रता की वीरांगना,
हैदराबाद में जन्म पाती।।

सरोजिनी नायडू यू० पी० की,
प्रथम महिला राज्यपाल थीं।
1925 में भारतीय राष्ट्रीय,
कांग्रेस की वह अध्यक्ष थीं।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० जारी १
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

2

कबीरदास

एक महान सन्त, कवि,
समाज सुधारक कहलाये।
नीरू-नामा, दम्पति के घर,
आप लालन-पालन पाये।।

अन्धविश्वास के थे विरोधी,
परमेश्वर के थे अवतार।
सरल, सहज थी रचनाएँ,
जिनको सबने किया स्वीकार।।

रचना-
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

3

नाथूराम 'शंकर'

हरदुआगंज में थे जन्मे,
पुस्तकों में अपने भाव लिखे थे।
'आत्मा-परमात्मा' का मिलन,
शंकर-सरोज, सुमन-संचय में थे।।

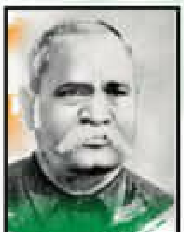

'साँची मान सहेली, परसों,
पीयतम लेंवे आवेंगों।
भाई-बहन, कुटुम्ब-कबीला,
सबकू रार मचावेंगों।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
वि० ख० एवं जनपद- मथुरा

4

तुलसीदास

सन्त नरहरीदास के परम शिष्य,
तुलसीदास जी कहलाए।
11 अगस्त 1497 सम्वत्सर में,
सोरों गाँव में जन्म लिए।।

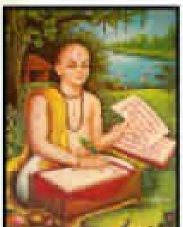

विनय-पत्रिका, दोहावली,
आदि धर्म-ग्रंथो की रचना की।
'रामचरितमानस' की रचना कर,
राम-राज्य की परिकल्पना की।।

रचना-उमा (इं०प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय-राजपुर
मथुरा-मथुरा

मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

रचनाकारों की सूची

1- बृजराज सारस्वत, मथुरा
2- भावना शर्मा, मेरठ
3- शालिनी, मैनपुरी
4- सीमा शर्मा, बागपत
5- नैमिष शर्मा, मथुरा
6- उमा ठाकुर, मथुरा
7- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
8- ज्योति विश्वकर्मा, बाँदा
9- आरती यादव, कानपुर देहात
10- इला सिंह, फतेहपुर
11- नीलम भास्कर, बागपत
12- माला सिंह, मेरठ
13- पारुल चौधरी, बागपत
14- वन्दना यादव, जौनपुर
15- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
16- ज्योति सागर, बागपत
17- पूनम नैन, बागपत
18- अमित गोयल, बागपत
19- अनुप्रिया यादव, फतेहपुर
20- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
21- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
22- सुमन पाण्डेय, फतेहपुर
23- सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
24- रूपी त्रिपाठी, कानपुर देहात

तकनीकी सहयोग

1- नैमिष शर्मा, मथुरा
2- जितेन्द्र कुमार, बागपत

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन :- काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम